

प्रेषक,

एस०एस०वल्लिया,
उप सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
देहरादून।

संस्कृति अनुभाग

देहरादून :दिनांक: 18 अक्टूबर, 2008

विषय: देशभक्त स्व० विक्टर मोहन जोशी की पुण्यतिथि एवं जन्मतिथि समारोह तथा मूर्ति के रख-रखाव के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक जिलाधिकारी, अल्मोड़ा के पत्र संख्या-8037/बाईस-19/2005-06 दिनांक 24 जुलाई, 2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय देशभक्त स्व० विक्टर मोहन जोशी की पुण्यतिथि एवं जन्मतिथि समारोह हेतु रुपये 20,000/- (रुपये बीस हजार) तथा मूर्ति के रख-रखाव हेतु रुपये 5000/- (रुपये पांच हजार) अर्थात् कुल रुपये 25000/- (रुपये पच्चीस हजार) मात्र की वित्तीय एवं प्रशासनिक अनुमोदन प्रदान करते हुये व्यय करने की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

3-उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाय, जिन मदों हेतु स्वीकृत की जा रही है। अन्य किसी मद में व्यय नहीं किया जायेगा।

4-धनराशि का उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिया जाये।

6-संस्था को उक्त धनराशि इस शर्त के साथ स्वीकृत की जा रही है कि, संस्था इसी कार्यक्रम के लिये उत्तरांचल शासन के किसी अन्य विभाग से अनुदान प्राप्त नहीं करेगी।

7-उक्त व्यय बालू वित्तीय वर्ष 2005-08 के अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-102-कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन-23-महान विभूतियों की वर्षगांठ का आयोजन-00-42-अन्य व्यय आयोजनागत पक्ष के मानक मद के नामें डाला जायेगा।

8-उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ.शा. पत्र संख्या-924/XXVII(3)/2005, दिनांक 10 अक्टूबर, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

(सं०)

भवदीय,

(एस०एस०वल्लिया)
उप सचिव।

प्रेषक,

संतोष बड़ोनी,
अनुसचिव
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

निदेशक
पर्यटन निदेशालय,
उत्तरांचल देहरादून ।

पर्यटन अनुभाग:

देहरादून दिनांक 17 अक्टूबर, 2006

विषय: जनजाति उपयोजना के अन्तर्गत पर्यटन विकास की योजनाओं हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 में धनराशि की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-943/VI/2006-2(20)2006, दिनांक 04 अक्टूबर, 2006 तथा आपके पत्र संख्या-257/2-6-471/2006-07, दिनांक 30 अगस्त, 2006 के सन्दर्भ में श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2006-07 में जनजाति उपयोजना के अन्तर्गत प्रस्तुत लाखामण्डल के समीप पुड़िया गांव में मंदिर एवं शिव गुफा के सौन्दर्यीकरण हेतु रु० 9.68 लाख के आगणन के सापेक्ष टी०२००सी० द्वारा परीक्षणोपरांत संस्तुत धनराशि रु० 9.50 लाख (रुपये नौ लाख पचास हजार मात्र) की लागत के आगणनों पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ भालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में इतनी ही धनराशि को आपके निर्वर्तन में रखी गई धनराशि रु० 239.72 लाख में से व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि नित्यव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के हेतु पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में नित्यव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय नित्यव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में उल्लिखित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3-आगणन में उल्लिखित दरों का विस्तरेण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरे शिफूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई है की स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी से स्वीकृत करा लें।

4-कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

5-कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

6-एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

7-कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विनिर्देशों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

8-कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।

9-आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।

10-निर्माण सामग्री का उपयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय, तथा उपर्युक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।

11-कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी तथा बाढ़ व नदी के बहाव आदि से सम्बन्धित सभी बिन्दुओं का परीक्षण निर्माण एजेन्सी द्वारा निर्माण से पूर्व कर लिया जाएगा जिससे भविष्य में किसी प्रकार की समस्या न हो।

12-उक्त स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31-03-2007 तक पूर्ण उपयोग कर धनराशि की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र पृथक्शास्त्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा तदोपरान्त ही अवरोध अथवा दूसरी किस्त अवमुक्त की जायेगी।



- 13-कार्य प्रारम्भ के समय सम्बन्धित निर्माण एजेंसी कार्यस्थल पर इस आशय का एक साईन बोर्ड स्थापित करेगा कि उक्त योजना/कार्य पर्यटन विभाग, उत्तरांचल के सौजन्य से किया जा रहा है, योजना प्रारम्भ करने का समय, इसकी लागत, पूर्ण करने का समय तथा कार्यदायी संस्था का विवरण भी अंकित किया जायेगा। सम्बन्धित जिला पर्यटक विकास अधिकारी उक्त कार्य का समय-समय पर भौतिक निरीक्षण कर कार्य की भौतिक प्रगति से प्रत्येक माह शासन को अवगत करायेगा एवं कार्य पूर्ण होने की सूचना व योजना का फोटोग्राफ्स अवश्य शासन को यथाशीघ्र उपलब्ध करायेगा।
- 14-योजना पर धनराशि तभी व्यय की जायेगी जब योजना हेतु भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित हो जाय तथा राज्य सेक्टर योजनाओं हेतु निर्गत अन्य संगत दिशा-निर्देशों का भी अनुपालन सुनिश्चित कर लिया जाय।
- 15-उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 के अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत लेखाशौर्षक -5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिस्य-80-सामान्य-आयोजनागत-796-जनजाति क्षेत्र उपयोजना-02-अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए स्पेशल कम्पोनेंट प्लान-02-पर्यटन विकास की नई परियोजनाएं-24-वृहत निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।
- 16-कृपया उपरोक्तानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय

(सतोष बडोनी)
अनुसचिव।

संख्या- 1645 /VI/2006-5(53)2006 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

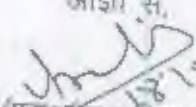
- 1-महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3-जिलाधिकारी, देहरादून।
- 4-निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 5-निजी सचिव, मा० पर्यटन मंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 6-निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 7-जिला पर्यटन विकास अधिकारी, देहरादून।
- 8-वित्त अनुभाग-2।
- 9-श्री एल०एम०पन्त, अपर सचिव वित्त।
- 10-अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 11-अपर सचिव, समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन।
- 12-एन०आई०सी०, उत्तरांचल सचिवालय परिसर।
- 13-गार्ड फाईल।

(7)

आज्ञा से
24
(सतोष बडोनी)
अनुसचिव।

पृष्ठांकन संख्या- 515 /VI-I/2006 तददिनांकित

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
- 1- मह/लेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
 - 2- निजी सचिव, मा० मुख्य मंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
 - 3- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
 - 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
 - 5- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
 - 6- मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमायूँ, उत्तरांचल।
 - 7- जिलाधिकारी, अल्मोड़ा।
 - 8- एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर।
 - 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एस०एस०वाल्दिया)
उप सचिव

- 13-कार्य प्रारम्भ के समय सम्बन्धित निर्माण एजेंसी कार्यस्थल पर इस आशय का एक साईन बोर्ड स्थापित करेगा कि उक्त योजना/कार्य पर्यटन विभाग, उत्तरांचल के सौजन्य से किया जा रहा है, योजना प्रारम्भ करने का समय, इसकी लागत, पूर्ण करने का समय तथा कार्यदायी संस्था का विवरण भी अंकित किया जायेगा। सम्बन्धित जिला पर्यटक विकास अधिकारी उक्त कार्य का समय-समय पर भौतिक निरीक्षण कर कार्य की भौतिक प्रगति से प्रत्येक माह शासन को अवगत करायेगा एवं कार्य पूर्ण होने की सूचना व योजना का फोटोग्राफ्स अवश्य शासन को यथाशीघ्र उपलब्ध करायेगा।
- 14-योजना पर धनराशि तभी व्यय की जायेगी जब योजना हेतु भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित हो जाय तथा राज्य सेक्टर योजनाओं हेतु निर्गत अन्य संगत दिशा-निर्देशों का भी अनुपालन सुनिश्चित कर लिया जाय।
- 15-उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 के अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक -5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-796-जनजाति क्षेत्र उपयोजना-02-अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए स्पेशल कम्पोनेंट प्लान-02-पर्यटन विकास की नई परियोजनाएं-24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 16-कृपया उपरोक्तानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय

(संतोष बडोनी)
अनुसचिव।

संख्या- 1545 /VI/2006-5(53)2006 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाय एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1-महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2-वरिष्ठ कौषाधिकारी, देहरादून।
- 3-जिलाधिकारी, देहरादून।
- 4-निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 5-निजी सचिव, मा० पर्यटन मंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 6-निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 7-जिला पर्यटन विकास अधिकारी, देहरादून।
- 8-वित्त अनुभाग-2,
- 9-श्री एल०एम०पन्त, अपर सचिव वित्त।
- 10-अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 11-अपर सचिव, समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन।
- 12-एन०आई०सी०, उत्तरांचल सचिवालय परिसर।
- 13-गार्ड फाईल।

(7)

आज्ञा से,
24
(संतोष बडोनी)
अनुसचिव।

प्रस्तावक संख्या- 515 /VI-I/2006 तददिनांकित

- 1- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
- 2- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 3- निजी सचिव, मा० मुख्य मंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 7- मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमायूँ, उत्तरांचल।
- 8- जिलाधिकारी, अल्मोड़ा।
- 9- एन०आर०सी०, सचिवालय परिसर।
- गाई फाईल।

आज्ञा से
13/10/06
(एस०एस०वा०दया)
उप सचिव